10TH फाइनल परीक्षा 2025
GEOGRAPHY
(भूगोल)
Ch-01
VVI SUBJECTIVE
जो परीक्षा में आता
Selected
20
12pm
Online Solution

मैट्रिक परीक्षा -2025

रफ्तार BATCH

✔ Notes ✔ PDF ✔ Model Set

✔ Objective ✔ Subjective ✔ Question Bank

Rs. 399/-

FULL COURSE

Big Offer

MOB : 8210423200

प्रश्न-1. संसाधन को परिभाषित कीजिए |

उत्तर- पर्यावरण के वे सारे चीजें जो मानव जीवन की आवश्यकताओं को पूरी करने में मदद करती है , उसे संसाधन हैं।

लघु उत्तरीय प्रश्न

20-50

8210423200

3:30pm

प्रश्न 2. प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण क्यों आवश्यक है ?

उत्तर- प्राकृतिक संसाधन अनाविकरनीय होते हैं और यह सिमित संसाधन है इसे विवेकपूर्ण ढंग से उपयोग किया जाना चाहिए क्योंकि यह समाप्ति के कगार पर पहुँच चुके हैं | ये हमारे लिए बहुमूल्य है एवं इनके निर्माण में लाखों वर्ष लगते हैं।

प्रश्न 3. मृदा निर्माण के कारकों का उल्लेख करें ।

उत्तर- मृदा का निर्माण भौतिक एवं रासायनिक प्रक्रियाओं से होता है। इन क्रियाओं के कारण चट्टानें मुलायम हो जाती है जो आसानी से टूटकर कणों में बदल जाती है। मृदा निर्माण के पाँच प्रमुख कारक या घटक हैं-

(i) स्थानीय जलवायु (ii) मूल चट्टानों की प्रकृति (iii) वनस्पतियाँ (iv) भू - आकृति एवं ऊँचाई (v) मृदा बनने में लगने वाला समय ।

प्रश्न 4. जलोढ़ मृदा के विस्तार वाले राज्यों के नाम बताएँ। इस मृदा में कौन - कौन - सी फसलें लगायी जाती हैं ?

उत्तर- जलोढ़ मिट्टी का विस्तार बिहार , उत्तर प्रदेश , असम , मध्य प्रदेश , प ० बंगाल , तमिलनाडु , कर्नाटक , गुजरात , आन्ध्र प्रदेश इत्यादि राज्यों में है। इस मृदा में गन्ना , चावल , गेहूँ , मक्का , दलहन इत्यादि फसलें उगाई जाती है।

प्रश्न 5. जलोढ़ मृदा से क्या समझते हैं ? इस मृदा में कौन - कौन - सी फसलें उगायी जाती है?

उत्तर- जलोढ़ मृदा नदियों द्वारा लायी गई गाद के निक्षेप से बनी है। समुद्री लहरें भी अपने तटों पर ऐसी ही मिट्टी की परते जमा कर देती हैं। इस मृदा में चावल , गेहूँ , चना , दलहन , तेलहन , कपास , गन्ना , जूट , सब्जियाँ आदि फसलें उगाई जाती है।

प्रश्न 6.खादर और बांगर मिट्टी में अन्तर स्पष्ट करें।

उत्तर- खादर मिट्टी और बांगर मिट्टी में निम्नलिखित अन्तर हैं –

खादर मिट्टी :-

(i) नवीन एवं उपजाऊ जलोढ़ मिट्टी को खादर कहा जाता है।

(ii) खादर मिट्टी में बाढ़ का प्रभाव होता है।

(iii) उत्तरी बिहार एवं गंगा का मैदान इसका उदाहरण है।

बांगर मिट्टी:-

(i) पुरानी जलोढ़ मिट्टी को बांगर मिट्टी कहा जाता है।

(ii) बांगर मिट्टी में बाढ़ का प्रभाव नहीं होता है।

(iii) महाराष्ट्र एवं पंजाब की भूमि इसका उदाहरण है।

प्रश्न 7. नदी घाटी परियोजना के किन्हीं दो लाभों का उल्लेख कीजिए।

भाखड़ा, हीराकुंड

उत्तर- नदी घाटी परियोजना के अनेक लाभ है , जो निम्नलिखित हैं-

(i) नदियों पर बाँध बनाकर नहरें निकाली जाती है , जिससे वर्षाभाव के क्षेत्र में सिंचाई की जाती है।

(ii) बाढ़ की रोकथाम करना तथा मिट्टी के कटाव को रोकना।

प्रश्न .8. जल संसाधन के क्या उपयोग है ?

उत्तर- जल एक बहुमूल्य संसाधन है , जिसका उपयोग पेयजल , घरेलू कार्य , सिंचाई , मल - मूत्र विसर्जन आदि कार्यों में किया जा रहा है। वर्तमान समय में जल का सर्वाधिक उपयोग सिंचाई , विद्युत उत्पादन एवं उद्योगों में किया जा रहा है।

प्रश्न.9. नदी घाटी परियोजना के मुख्य उद्देश्य क्या हैं ?

उत्तर- नदी घाटी परियोजना का मुख्य उद्देश्य समन्वित रूप से नदी - घाटियों से जुड़ी • विभिन्न समस्याओं को हल करना। इनमें बाढ़ों का नियंत्रण , मृदा अपरदन पर रोक , सिंचाई एवं पीने के लिए पानी , उद्योगों , गाँवों और नगरों के लिए जल विद्युत उत्पादन , अन्तःस्थलीय जल परिवहन और कई अन्य सुविधाएँ शामिल

प्रश्न 10. पर्यावरण के लिए वन क्यों महत्त्वपूर्ण हैं ?

उत्तर- वन प्रकृति का अनोखा उपहार है। एक तरफ वन की भूमि जल का अवशोषण कर बाढ़ के खतरे को रोकती है तो दूसरी तरफ अच्छी वर्षा भी कराती है। यह वन्य प्राणियों को भी आश्रय प्रदान करती है।तथा वन्य प्राणियों के साथ ही मानव को भी अनेक आवश्यक वस्तुएँ देती हैं। जीव मंडल में जीवों और जलवायु को संतुलित करने में योगदान देता है।

प्रश्न 11. चिपको आन्दोलन क्या है ? V.V.I

उत्तर- उत्तराखण्ड के गढ़वाल जिले में सुन्दरलाल बहुगुणा के नेतृत्व में वृक्षों की कटाई रोकने के लिए 1972 में ' चिपको आन्दोलन ' शुरू हुआ । इस आन्दोलन में कटने वाले पेड़ से एक व्यक्ति चिपक जाता था और पेड़ को काटने नही दिया जाता था |आन्दोलन में महिलाओं मेंअहम् भूमिका निभाई |

प्रश्न 12 . वन विनाश के दो प्रमुख कारकों का उल्लेख करें।

उत्तर- वन विनाश के दो मुख्य कारक निम्नलिखित हैं –

(i) वन क्षेत्र का कृषि भूमि के रूप में बदला जाना।

(ii) पशुचारण और ईंधन के लिए लकड़ियों का भारी मात्रा में काटा जाना।

प्रश्न.13. खनिज को परिभाषित कीजिए।

उत्तर- प्रकृति में पाए जाने वाले ऐसे पदार्थ जिनकी एक निश्चित आंतरिक संरचना होती है , खनिज कहलाते हैं। ये चट्टानों में अयस्क के रूप में पाये जाते हैं। इसकी उत्पत्ति पृथ्वी के अंदर विभिन्न भू - वैज्ञानिक प्रक्रियाओं द्वारा होती है। यह एक प्राकृतिक और अनवीकरणीय संसाधन है।

प्रश्न.14. मैंगनीज के उपयोग पर प्रकाश डालें।

उत्तर- मँगनीज एक उपयोगी खनिज पदार्थ है।
इसका उपयोग इस्पात निर्माण , मिश्रधातु निर्माण ,
सूखा - सेल बनाने में , चमड़ा एवं माचिस उद्योग
ब्लीचिंग पाउडर , पेंट , दवा बनाने में होता है।

प्रश्न.15. कोयले के विभिन्न प्रकारों के नाम लिखिए।

उत्तर-कोयला के चार प्रमुख प्रकार हैं- (i) एंथ्रासाइट , (ii) बिटुमिनस , (iii) लिग्नाइट एवं (iv) पीट

उन्नत

घटिया

प्रश्न.16.परंपरागत और गैर - परंपरागत ऊर्जा स्रोतों में अंतर बताइए।

उत्तर- परंपरागत ऊर्जा के स्रोत समाप्त जाने वाले शक्ति के साधन हैं और अनवीकरणीय है।

जैसे - कोयला , पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस

गैर परंपरागत ऊर्जा के स्रोत नवीकरणीय है और आवश्यकता एवं क्षमता के अनुसार इनका उत्पादन बढ़ाया और उपयोग किया जा सकता है।

जैसे -सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा आदि

प्रश्न.17. पेट्रोलियम से किन - किन वस्तुओं का निर्माण होता है ?

उत्तर- पेट्रोलियम का हमारे जीवन में बहुत अधिक महत्त्व है। इसका उपयोग यातायात के साधनों में ईंधन में, संश्लेषित वस्त्र, उर्वरक, रसायन उद्योग, कीटनाशक दवा एवं कृत्रिम रबर इतियादी में किया जाता है।। इसके अलावा इसका उपयोग औद्योगिक मशीनों में स्नेहक के रूप में होता है

प्रश्न.18.परमाणु शक्ति किन - किन खनिजों से प्राप्त होती है ?

उत्तर- परमाणु शक्ति (नाभकीय ऊर्जा) यूरेनियम , थोरियम , नियोबियम , टेंटेलस , बेरीलियम , लीथियम , यिटिझम , जिरकोनियन आदि खनिजों से प्राप्त होती है ।

प्रश्न.19.मुम्बई हाई तेल उत्पादक क्षेत्र का परिचय दें।

उत्तर- मुम्बई हाई तेल क्षेत्र मुम्बई तट से दूर अरब सागर में स्थित है। वर्तमान में यह सबसे अधिक तेल उत्पादन करनेवाला क्षेत्र है। यहाँ समुद्र में सागर - सम्राट नामक जलमंच बनाया गया है , जहाँ से कुएँ खोदकर समुद्र से तेल निकाला जाता है। यहाँ तेल का विशाल भंडार है।

प्रश्न.20 . गोंडवाना समूह के किन्हीं चार कोयला क्षेत्रों के नाम लिखिए ।

उत्तर- गोंडवाना समूह में 96 % कोयले का भंडार शामिल है जो हमारे देश में मिलता है । इसका निर्माण लगभग 20 करोड़ वर्ष पूर्व हुआ था । यह मुख्यतः चार नदी - घाटियों में पाये जाते हैं-

(i) दामोदर घाटी , (ii) सोन घाटी , (iii) महानदी घाटी एवं (iv) वर्धा - गोदावरी घाटी ।